Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

भारत की सामान्य जानकारी

इंडिया एक **ग्रीक** शब्द है जिसका प्रयोग **400 *B.C.*** में **यूनानियों** द्वारा किया गया था जबकि **हिन्द फारसी भाषा** का शब्द है। भारत के लिए हिन्द शब्द सबसे पहले **ईरानियों** द्वारा प्रयुक्त किया गया था। हमारे संविधान में भी देश को केवल "**इंडिया**" और "**भारत**" दो नाम दिये गये है। भारत **गोंडवानालैण्ड** का ही एक भाग है। गोडवानालैण्ड के विभाजन के बाद इसे "**जम्बूद्वीप**" कहा गया।

हिन्दू शब्द का पहली बार प्रयोग **अलबरूनी** ने अपनी किताब "**किताब उल हिन्द या तहकीक–उल–हिन्द** में किया था।

भौगोलिक विस्तार :– भारत मूलतः **उत्तरी गोलार्द्ध** में स्थित है। इसकी भौगोलिक स्थिति **$8^0 4'$–$37^0 6'$ उत्तरी अक्षांश *(Northen Iatitude)*** और **$68^0 7'$–$97^0 25'$** से **पूर्वी देशान्तर *(Eastern-longitude)*** में स्थित है।

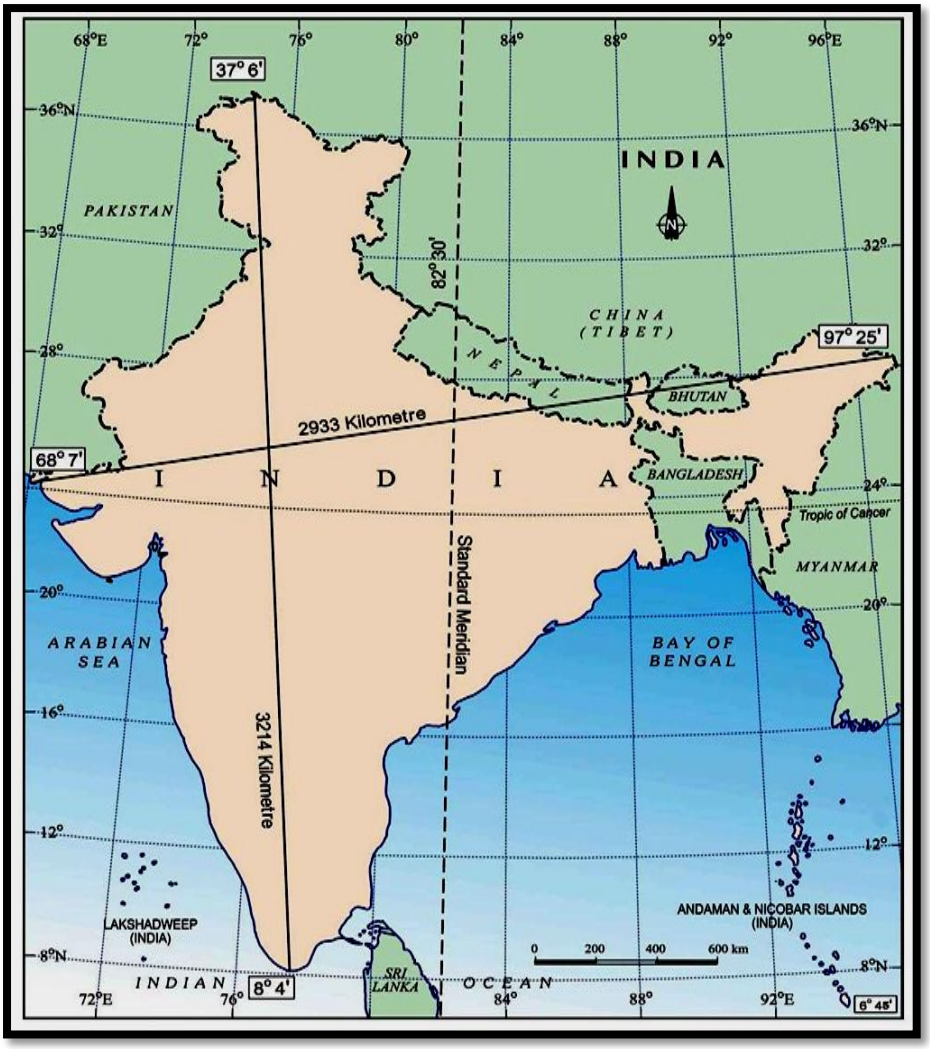

भारत का **मानक समय $(82.5)^0$ या $82^0 30'$ पूर्वी देशांतर रेखा** से निर्धारित किया गया है जो कि **इलाहाबाद** के निकट "**नैनी**" से होकर गुजरती है। भारतीय मानक समय निर्धारक रेखा ($82^0 30'$) पांच राज्य से होकर गुजरती है –

1. उत्तरप्रदेश
2. मध्यप्रदेश
3. छत्तीसगढ
4. उडीसा
5. आंधप्रदेश (सीमांध्र)

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

भारत के सीमांत बिन्दु (Boundary Points)

1. **उत्तरी सीमांत बिन्दु** :– भारत के उत्तरी सीमांत बिन्दु को **''इंदिरा कॉल''** कहा जाता है और यह सामान्यतः जो भारत, अफगानिस्तान, चीन के बीच में स्थित है।
2. **दक्षिणी सीमांत बिन्दु** :– इसे **इन्दिरा पाईंट** या **पिग्मेलियन पाईंट** के नाम से जाना जाता है जो कि **ग्रेट** या **बडा निकोबार** में स्थित है।
3. **पूर्वी सीमांत बिन्दु** :– यह अरूणाचल प्रदेश के **वालांगू** में स्थित है।
4. **पश्चिमी सीमांत बिन्दु** :– **सरक्रोक** (गुजरात) में स्थित है।

अरूणाचलप्रदेश को **नेफा** (North east frontier agency) के नाम से जाना जाता था। **उत्तराखण्ड** को **''देवस्थल''** के रूप में जाना जाता है जबकि **केरल** को **''देवताओं की भूमि *(Own Land of God)*''** कहा जाता है।

देश	सीमा	राज्य	सर्वाधिक राज्य छूने वाला राज्य
बांग्लादेश	4096 कि.मी.	असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, पं. बंगाल	प. बंगाल
चीन	3988 कि.मी.	जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश	जम्मू कश्मीर
पाकिस्तान	3300 कि.मी.	जम्मू कश्मीर, पंजाब, गुजरात, राजस्थान	राजस्थान
नेपाल	1750 कि.मी.	उत्तरप्रदेश,उत्तराखंड, बिहार,पं. बंगाल, सिक्किम	बिहार
म्यांमार	1600 कि.मी.	अरूणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम	मिजोरम
भूटान	700 कि.मी.	सिक्किम, पं.बंगाल, असम, अरूणाचल प्रदेश	असम
अफगानिस्तान	100 कि.मी.	पाक अधिकृत कश्मीर	

क्षेत्रफल में भारत के बड़े राज्य :-

1. राजस्थान 2. मध्यप्रदेश 3. महाराष्ट्र 4. उत्तरप्रदेश 5. गुजरात
6. कर्नाटक 7. आंध्रप्रदेश (सीमांध) 8. उडीसा 9. तमिलनाडु 10. पश्चिम बंगाल

भारत की सीमा **सात** देशों को छूती है और देशों के **17 राज्यों** की सीमा पडोसी देशों को छूती है –

- भारत के केवल दो ही राज्य ऐसे है जिनकी सीमा एक ही राज्य को छूती है :–
  1. सिक्किम (केवल पं. बंगाल से) 2. मेघालय (केवल असम)
- भारत के चार ऐसे राज्य है जिनकी सीमा 3 देशों को छूती है :–
  1. सिक्किम 2. पं. बंगाल 3. अरूणाचल प्रदेश 4. जम्मू कश्मीर
- भारत के 5 पूर्णतः भू–आवेष्ठित राज्य है जिनकी सीमा किसी पडोसी देश को नहीं छूती है :–
  1. मध्यप्रदेश 2. छत्तीसगढ 3. झारखण्ड 4. हरियाणा 5. तेलगांना
- पूर्वोत्तर राज्यों के किसी भी राज्य की सीमा **''समुद्र''** से नहीं मिलती।
  - ❖ **रेडक्लिफ रेखा** :– यह रेखा **भारत और पाकिस्तान** के बीच की सीमा निर्धारित करती है।
  - ❖ **मैकमोहन रेखा** :– यह रेखा **भारत और चीन** के बीच सीमा निर्धारित करती है।

- ***Zeromile Line*** :- बांग्लादेश एवं त्रिपुरा (भारत) के बीच की सीमा निर्धारित करती है। **त्रिपुरा** एकमात्र ऐसा राज्य है जो तीना ओर से बांग्लादेश से घिरा हुआ है।
- **चिकन नेक** :- पश्चिम बंगाल का वह भाग जो पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोडता है। **चिकन नेक** कहलाता है।

भारत के कुछ प्रमुख चैनल :-

1. 8^0 **चैनल** – **लक्षद्वीप** को **मालद्वीप** से अलग करता है।
2. 9^0 **चैनल** – लक्षद्वीप से मिनीकाय को विभाजित करता है।
3. 10^0 **चैनल** – अंडमान को निकोबार से अलग करता है।
4. **ग्रेट चैनल** – **अंडमान निकोबार** (भारत) को **इण्डोनेशिया** से अलग करता है।

पाक जलसंधि :- यह **भारत और श्रीलंका** के बीच स्थित है और **मन्नार की खाडो** को **बंगाल की खाडो** से जोडती है। इसी जलसंधि के बीच **''कच्चावितु''** द्वीप स्थित है जिसको लेकर भारत का श्रीलंका से एक लंबे समय से विवाद रहा है। वर्तमान में भारत ने इसे श्रीलंका को दे दिया है। **''सेतू समुद्रम परियोजना''** इसी क्षेत्र में चलाई जा रही है।

भारत का क्षेत्रफल एवं प्रशासनिक संरचना

भारत का कुल क्षेत्रफल **32,87,263** वर्ग किमी है जो कि पूरे विश्व के कुल भू–भाग का **2.42 प्रतिशत** है। इसका विस्तार पूर्व से पश्चिम की ओर **2933 कि.मी.** और उत्तर से दक्षिण की ओर **3214 कि.मी.** है। यह क्षेत्रफल में दुनिया का **सातवां** सबसे बडा देश है।

क्षेत्रफल में विश्व के बड़े देश -

1. **रूस** (हीरे का सबसे बडा उत्पादक देश)
2. **कनाडा** (दुनिया का सबसे अधिक समुद्री सीमा वाला देश)
3. **चीन** (दुनिया में सोने का सबसे बड़ा उत्पादक देश)
4. **अमेरिका** (U.S.A.) दुनिया में पेट्रोलियम का सबसे बडा उत्पादक देश।
5. **ब्राजील** (यह जनसंख्या में भी पाचवे स्थान पर है)
6. **आस्ट्रेलिया**
7. **भारत**

भारत की कुल स्थलीय सीमा **15,200** किमी है जबकि तटीय सीमा **7516** किमी है जिसमें से **6100 किमी** राज्यों की एवं **1416 किलोमीटर** द्वीपो की तटीय सीमा है।

भारत में सबसे अधिक समुद्री सीमा वाले राज्य :-

1. **गुजरात** 2. **सीमांध्र** 3. **तमिलनाडु**

- भारत के कुल **9 राज्यों** की सीमा समुद्र को छूती है – गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, उडोसा, पश्चिम बंगाल।

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

भारत का भौगोलिक विभाजन

भौगोलिक दृष्टि से भारत को 5 भागों में विभाजित किया है –

1. ***उत्तर की विशाल पर्वत श्रृंखला*** - इस पर्वत श्रृंखला को **हिमालय** कहा जाता है। यह एक नवीन वलित पर्वत श्रृंखला है और इसका निर्माण इयोसीन युग में लगभग **40–60 मिलियन वर्ष** पूर्व माना जाता है इसका निर्माण टेथीस सागर से हुआ है। हिमालय के विभिन्न भागों का निर्माण युग –

   1. ट्रांस हिमालय श्रेणी –
   2. वृहद हिमालय – सीनोजोइक कल्प के **इयोसीन युग में**
   3. लघु हिमालय/मध्य हिमालय – **मायोसीन शक में**
   4. शिवालिक हिमालय – **प्लायोसीन शक में।**

जम्मू–कश्मीर से अरूणाचल प्रदेश तक हिमालय को एक दूसरे के समांतर 4 भागों में विभाजित किया गया है। सामान्यतः **ट्रांस हिमालय** को हिमालय के पूर्व का पर्वत माना जाता है –

1. ***ट्रांस हिमालय श्रेणी*** - इसमें 3 पर्वत श्रेणियां स्थित है–

1. काराकोरम श्रेणी 2. लद्दाख श्रेणी 3. जास्कर श्रेणी।

इसका निर्माण हिमालय के पहले माना जाता है भारत में हिमालय की सबसे ऊंची पर्वत चोटी **के–2 (गाडविन आस्टिन 8611 मीटर)** यहीं **काराकोरम रेंज** पर स्थित है। लद्दाख श्रेणी के **लेह** में भारत की **सबसे कम** वर्षा दर्ज की जाती है। ट्रांस हिमालय को वृहद् हिमालय से **"सचर जोन"** द्वारा विभाजित किया गया है।

2. ***वृहद हिमालय/हिमाद्रि*** - यह हिमालय का सबसे ऊंचा भाग है और हिमालय की लगभग सभी ऊँची चोटियां इसी क्षेत्र में स्थित है।

1. **माउण्ट एवरेस्ट (नेपाल)– 8848 मीटर**
2. **कंचनजंघा (सिक्किम)**
3. **नंगा पर्वत (जम्मू–कश्मीर)**
4. **नंदा देवी (उत्तराखंड)**
5. **कामेठ पर्वत (उत्तराखंड)**
6. **नामचा बारवा (अरूणाचल प्रदेश)**
7. **मकालू (नेपाल)**
8. **अन्नपूर्णा श्रंखला (नेपाल)**
9. **धालागिरी पर्वत (नेपाल)**

नोट – 1. माउंट एवरेस्ट की खोज भारतीय मानचित्र एवं सर्वेक्षण विभाग के निदेशक एवरेस्ट के नाम पर रखा गया है जिन्होंने इस चोटी की खोज की थी।

2. वृहद हिमालय को लघु हिमालय से ***Main Central Trust*** द्वारा विभाजित किया गया है।

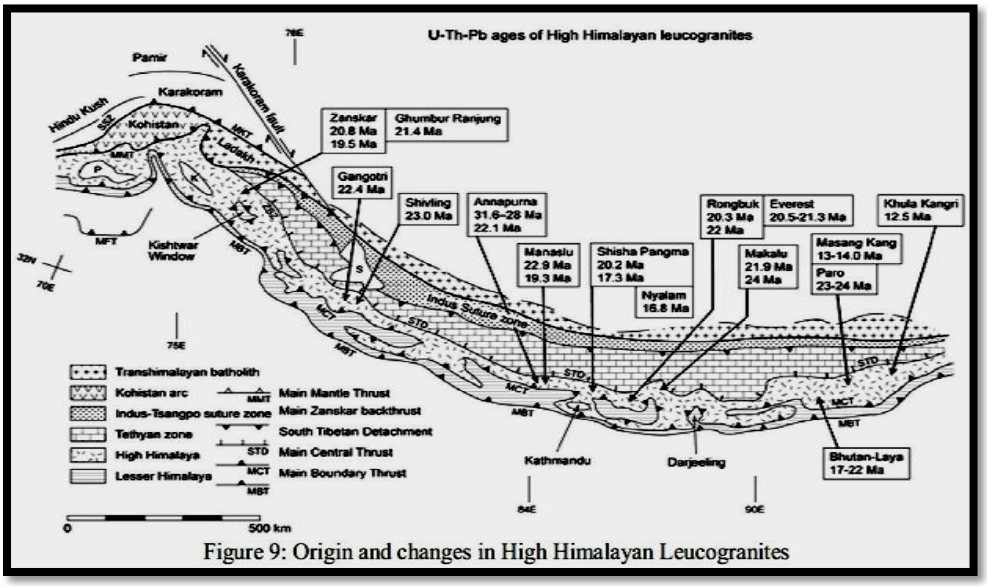

Figure 9: Origin and changes in High Himalayan Leucogranites

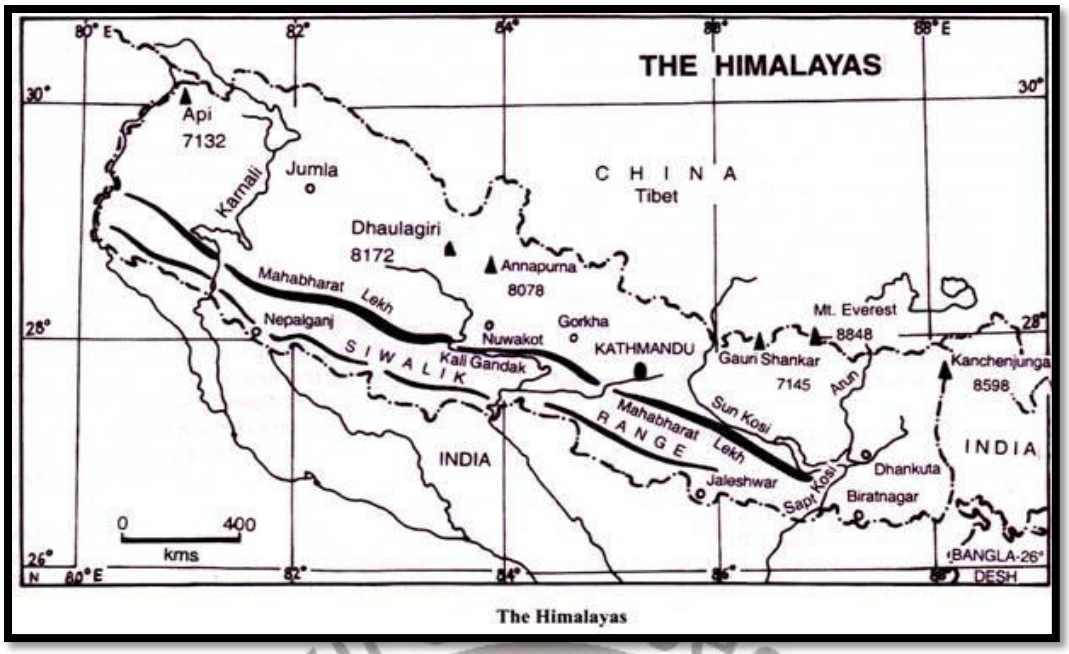

The Himalayas

3. ***लघु या मध्य हिमालय*** – इस हिमालय की औसत ऊंचाई 3700–4500 मी. है, इसके अंतर्गत प्रमुख पर्वत चोटिया–

1. पीर–पंजाल पर्वत श्रेणी
2. धोलाधर पर्वत श्रेणी
3. मसूरी रेंज (देहरादून, उत्तराखंड)
4. डलहौजी हील (उत्तराखंड)
5. नैनीताल (उत्तराखंड)
6. अल्मोडा (उत्तराखंड)
7. कश्मीर घाटी
8. नागटिब्बा श्रंखला (उत्तराखंड)
9. महाभारत श्रंखला (नेपाल)
10. शिमला (हिमाचल प्रदेश)
11. कुल्लु मनाली श्रखला (हिमाचल प्रदेश) आदि शामिल है।

नोट – लघु हिमालय को शिवालिक पर्वत श्रेणी से ***Main Boundary Fault*** द्वारा अलग किया गया है।

4. ***शिवालिक श्रृंखला*** – यहां अधिक ऊंची चोटियां नहीं है और इसकी औसत ऊंचाई 900–1200 मीटर तक ही है। इसे **तराई का क्षेत्र** कहा जाता है जो कि मुख्यतः **दून घाटी क्षेत्र** के नाम से भी जाना जाता है। **देहरादून** और **हरिद्वार** प्रमुख दून घाटियां है। यहां की प्रमुख पर्वत श्रेणियों में –

1. डाफ्ला 2. मिस्मी 3. मिरी 4. अबोर

आदि श्रेणियां शामिल है जो कि सभी **अरूणाचल प्रदेश** में स्थित है।

- अफगानिस्तान – हिन्दुकुश पर्वत
- म्यानमार – अराकान योमा
- अरावली – राजस्थान से शुरू होकर पंजाब तक जाता है।
- चण्डीगढ़ शहर शिवालिक हिमालय पर बसा है।
- दिल्ली, अरावली पर्वत श्रंखला पर आधारित है।

हिमालय का एक अन्य विभाजन (नदियों द्वारा)

1. ***कश्मीर हिमालय, पंजाब हिमालय*** - यह क्षेत्र **सिंधु और सतलुज** नदी के बीच स्थित है जिसकी लंबाई लगभग **560 किलोमीटर** है। जास्कर एवं पीरपांजाल श्रेणियां इसी क्षेत्र में स्थित है।
2. ***कुंमायू हिमालय*** - यह **सतलुज** एवं **काली नदी** के बीच स्थित **320 किलोमीटर** लंबा क्षेत्र है जिसके अंतर्गत **नंदा देवी, बद्रीनाथ, केदारनाथ** आदि पर्वत श्रेणियां स्थित है। **फूलों की घाटी** कही जाने वाली **चमोली घाटी** (उत्तराखंड) इसी भाग में स्थित है।

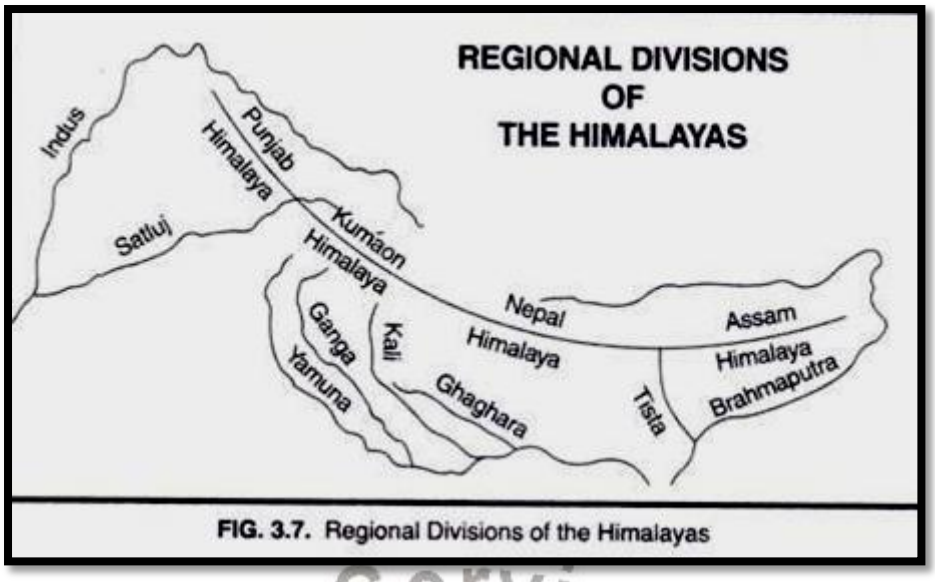

FIG. 3.7. Regional Divisions of the Himalayas

3. ***<u>नेपाल हिमालय</u>*** - काली नदी से तिस्ता नदी के बीच का **800 कि.मी.** लंबा क्षेत्र **नेपाल हिमालय** कहलाता है और हिमालय की सभी ऊंची चोटियां जैसे– **माउंट एवरेस्ट, अन्नपूर्णा, मकालू** आदि यही स्थित है।

4. ***<u>असम हिमालय</u>*** - **तिस्ता से देहांग** (ब्रम्हपुत्र) नदी के बीच का **770 कि.मी.** लंबा क्षेत्र **असम हिमालय** कहलाता है।

<u>दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार</u>

यह गोण्डवानालैंड का ही भाग है और लगभग **16 लाख वर्ग किलोमीटर** क्षेत्र में फैला हुआ है। इस पर्वत श्रृंखला का **पश्चिमी भाग अरावली पर्वत** कहलाता है जिसका निर्माण आज से **370 मिलियन वर्ष** पूर्व हुआ था यह दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला (आर्केयिन, प्रिर्केम्ब्रियन शक) मानी जाती है। इसका सबसे ऊंचा पर्वत शिखर **गुरू शिखर** है जो कि **माउण्ट आबू (राजस्थान)** में स्थित है।

विंध्यांचल पर्वत श्रृंखला अरावली के दक्षिण में पॅूचम से पूर्व की ओर फैली हुइ है जो कि **उत्तर भारत को दक्षिण भारत से अलग** करती है। इसके नीचे सतपुड़ा पर्वत श्रेणी है जिसके महादेव पर्वत पर **स्थित धूपगढ चोटी (1350 मी.)** इसका सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है।

सतपुड़ा के पूर्व में **मैकाल पर्वत** श्रृंखला है जिसकी सबसे ऊँची पर्वत चोटी **अमरकंटक (1036 मी.)** है। गुजरात में ही गिर की पहाड़ियां स्थित है जो कि **एशियाटिक शेरों** के लिए जानी जाती है।

<u>नोट</u>– रानी की बाव जिसे ***UNESCO*** ने अपनी विश्व विरासत सूची में स्थान दिया है, गुजरात में ही स्थित है। **सतपुड़ा व विन्ध्यान्चल** के बीच में ही नर्मदा नदी बहती है।

पश्चिमी घाट जिसे **सह्याद्री** के नाम से भी जाना जाता है। 3 बड़ी पर्वत श्रृंखलाओं में बंटा हुआ है–

1. **<u>सह्याद्री पर्वत श्रंखला</u>** – इसकी सबसे ऊंची पर्वत चोटी **काल्सुबाई** है। सह्याद्री पर्वत को तेलंगाना के पठार ने नीलगिरि से अलग कर दिया है।
2. **<u>नीलगिरि की पहाडिया</u>** – यह मूलतः **कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु** में फैली हुई है यहां की सबसे ऊंची पर्वत चोटी **दोदाबेट्टा** है। नीलगिरि की पहाड़ियों पर ही टोडा नामक जनजाति निवास करती है। **नीलगिरि पूर्वी भाग को पश्चिमी घाट** से जोड़ता है।
3. **<u>अन्नामलाई पर्वत श्रेणी</u>** – नीलगिरि के दक्षिण में अन्नामलाई पर्वत श्रेणी है जिसकी सबसे ऊंची पर्वत चोटी **अनाईमुडो (2065 मी.)** पूरे पश्चिमी घाट की सबसे **ऊंची पर्वत चोटी** है।

शबरीगिरि पर्वत श्रृंखला का विस्तार **केरल** राज्य में है जबकि अन्नामलाई के पूर्वी भाग में पालनी की पहाड़ियां स्थित है इन्हीं पर **ऊटी (ऊटकमंड)** पर्यटन स्थल बसा हुआ है।

पेन्नार और **कावेरी नदी** के बीच **मेलागिरि** की पहाड़ियां है जिन्हें **चंदन की पहाडियों** के नाम से जाना जाता है। **पालनी** की पहाड़ियां के समीप ही शेवराय की पहाड़ियां स्थित है। पश्चिमी घाट को सह्याद्री पर्वत श्रेणी के नाम से भी जाना जाता है **ऊंटी, तमिलनाडु** में स्थित है। अन्नामलाई के दक्षिणी भाग में **कार्डेमम की पहाड़ियां (केरल)** है जो कि **इलायची की पहाडियों** के नाम से जानी जाती है। **अगस्तमलाई** दक्षिण भारत की सबसे अंतिम पर्वत श्रृंखला है।

पहाड़ियों का उत्तर से दक्षिण की ओर क्रम (राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र) –

1. अरावली पर्वत श्रृंखला (राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात)
2. विन्ध्यांचल पर्वत श्रृंखला (म.प्र.)
3. सतपुडा पर्वत श्रृंखला (म.प्र.)
4. बालाघाट पर्वत श्रृंखला (म.प्र., महाराष्ट्र)
5. सहाद्रि पर्वत श्रृंखला (महाराष्ट्र)
6. हरिशचन्द्र की पहाडियां (महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ और तेलंगाना)

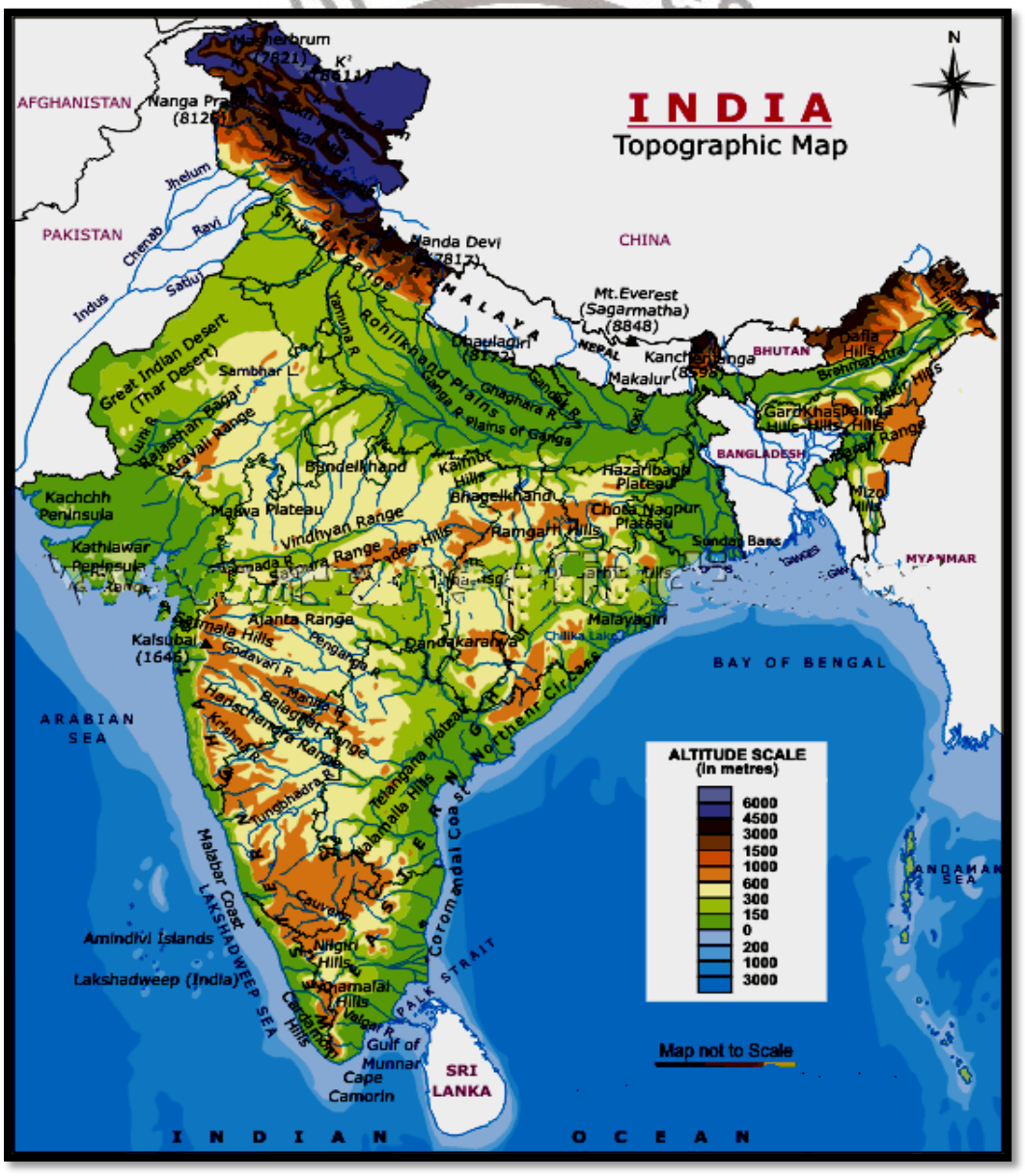

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

दक्षिण भारत - (आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु)

1. नल्लामलाई के जंगल– सबसे सघन जंगल है।
2. पालकोण्डा की पहाड़ियां
3. जावदी पहाड़ियां
4. शेवरॉय पहाड़ियां
5. पंचमलाई की पहाड़ियां
6. पालनी की पहाड़िया
7. कार्डेमम की पहाड़ियां
8. अगस्तमलाई की पहाड़िया
9. अन्नामलाई की पहाड़ियां

नोट – नमक की पहाड़ियां जम्मू और कश्मीर में स्थित है।

पूर्वी घाट की पहाड़ियां

पूर्वी घाट उड़ीसा से तमिलनाडु तक फैला हुआ है और इसकी सबसे ऊँची पर्वत चोटी **जिन्धागाड़ा** है, जो कि उड़ीसा में स्थित है इसकी अन्य पर्वत श्रृंखलाओं में मलाई गिरि की पहाड़ियां (उड़ीसा) –

1. मलाईगिरि की पहाड़ियां – उड़ीसा
2. नल्लामलाई की पहाड़ियां – आंधप्रदेश
3. पालकोण्डा की पहाड़ियां – आंध्रप्रदेश
4. शेवरॉय की पहाड़ियां – तमिलनाडु
5. पंचमलाई की पहाड़ियां प्रमुख है।

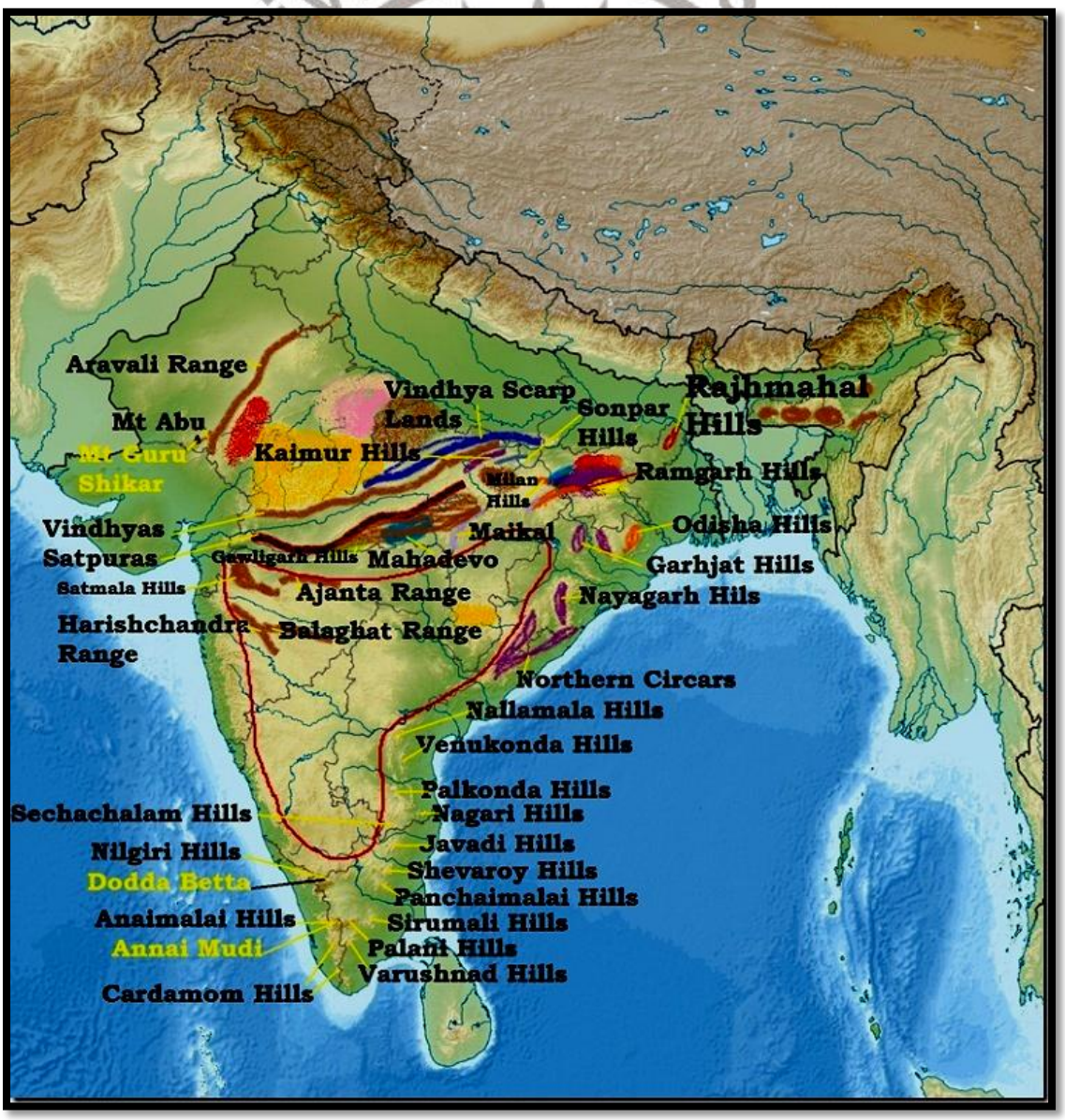

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

तटीय क्षेत्र

भारत में तटीय क्षेत्र को **पूर्वी घाट व पश्चिमी घाट** के नाम से जाना जाता है पूर्वी घाट, पश्चिमी घाट की तुलना में ज्यादा चौड़ा है क्योंकि दक्षिण की अधिकांश नदियां इसी क्षेत्र में डेल्टा का निर्माण करती है–

1. **पश्चिमी घाट** – यह गुजरात से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है और तीन भागों में बंटा हुआ है–
   - **कोंकण तट**– इसका विस्तार गुजरात से गोवा तक है।
   - **कन्नड़ तट**– गोवा से लेकर मंगलौर तक फैला हुआ है।
   - **मालाबार तट**– मंगलौर से कन्याकुमारी तक विस्तृत है।

नोट – मुम्बई का एक भाग सालिसट द्वीप पर बसा हुआ है।

2. **पूर्वी घाट** – यह उड़ीसा से लेकर तमिलनाडु तक फैला हुआ है और इसे **कोरोमंडल तट** कहा जाता है।

द्वीप समूह

भारत में कुल **247 द्वीप** समूह है जिसमें से 206 अंडमान–निकोबार में स्थित है। अण्डमान में स्थित द्वीपों का उत्तर से दक्षिण की ओर क्रम–

1. **लैडफॉल द्वीप** 2. **रूटलैंड** 3. **छोटा अंडमान**
4. **उत्तरी अंडमान – सैडल पीक**
5. **मध्य अंडमान – क्षेत्रफल से सबसे बड़ा**
6. **दक्षिणी अंडमान – पोर्टब्लेयर**

मध्य अंडमान क्षेत्रफल में यहां का सबसे बड़ा द्वीप है जबकि यहां की राजधानी पोर्टब्लेयर दक्षिणी अंडमान में स्थित है। यहां की सबसे ऊंची पर्वत चोटी **सैडल पीक** उत्तरी अंडमान में स्थित है। सेल्यूलर जेल पोर्ट ब्लेयर में स्थित है और भारत के सबसे अधिक राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य अंडमान निकोबार में ही है।

नोट –

- राष्ट्रीय उद्यान की सर्वाधिक संख्या में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है।
- **बैरन द्वीप** एकमात्र द्वीप है जहां पर सक्रिय ज्वालामुखी है जबकि **नारकोंडम द्वीप** एक **मृत ज्वालामुखी** है। **माउंट हेरियट नेशनल पार्क अंडमान निकोबार** में ही स्थित है।

निकोबार (उत्तर से दक्षिण की ओर द्वीपों का क्रम) –

1. **कार निकोबार** 2. **निकोबार**
3. **लिटिल (छोटा) निकोबार** 4. **बडा (ग्रेट) निकोबार**

नोट –

- **बड़ा निकोबार** में ही भारत का सबसे दक्षिणी बिन्दु **इंदिरा पाइंट** स्थित है।
- 10^0 **चैनल** अंडमान को निकोबार से अलग करता है जबकि **ग्रेट चैनल** अंडमान निकोबार को इंडोनेशिया से अलग करता है।

अंडमान निकोबार की प्रमुख जनजातियां – **1. जारवा 2. सेन्टनली 3. शेम्पेन**